● पढ़ो, समझो और लिखो :

१२. पढ़क्कू की सूझ

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

जन्म : १९०८ **मृत्यु :** १९७४ **रचनाएँ :** रश्मिरथी, कुरुक्षेत्र, रेणुका, हुँकार, आदि आपकी काव्यकृतियाँ हैं । **परिचय :** आप अध्यात्म एवं राष्ट्रीय विचारधारा के महान कवि हैं । उच्च कोटि के चिंतक होने के साथ-साथ महान गद्यलेखक भी हैं ।

इस कथा गीत में यह बताया गया है कि व्यक्ति को पढ़ा लिखा होने के साथ-साथ उसमें व्यावहारिक समझ भी होनी चाहिए ।

विचार मंथन

।। ढाई आखर प्रेम के, पढ़े सो पंडित होय ।।

5C70EP

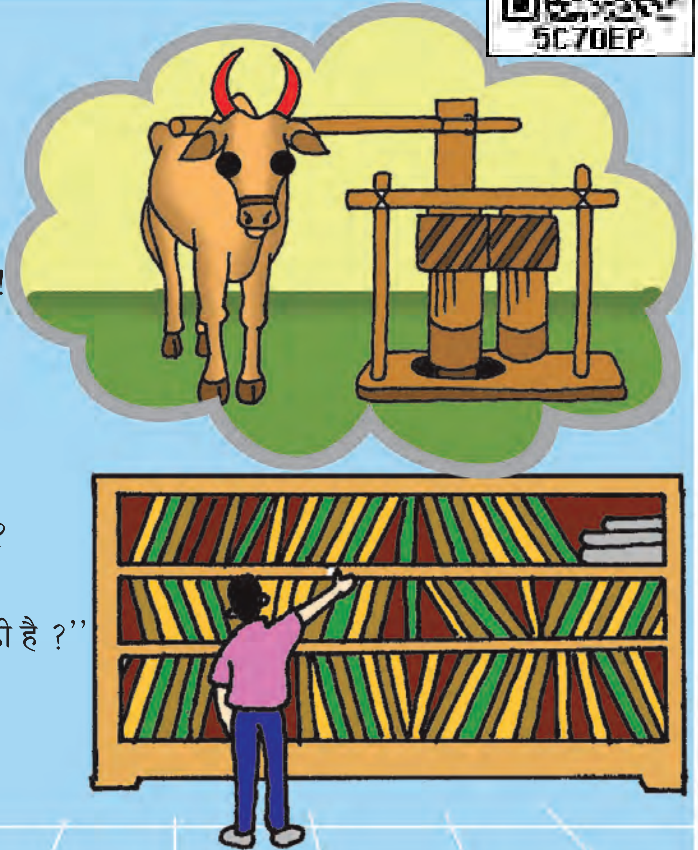

एक पढ़क्कू बड़े तेज थे, तर्कशास्त्र पढ़ते थे,
जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे ।
एक रोज वे पड़े फिक्र में समझ नहीं कुछ पाए,
''बैल घूमता है कोल्हू में कैसे बिना चलाए ?''

कई दिनों तक रहे सोचते, मालिक बड़ा गजब है !
सिखा बैल को रखा इसने, निश्चय कोई ढब है ।
आखिर एक रोज मालिक से पूछा उसने ऐसे,
''अजी, बिना देखे, लेते तू जान भेद यह कैसे ?

कोल्हू का यह बैल तुम्हारा चलता या अड़ता है ?
रहता है घूमता, खड़ा हो या पागुर करता है ?''
मालिक ने यह कहा, ''अजी, इसमें क्या बात बड़ी है ?''
नहीं देखते क्या, गरदन में घंटी एक पड़ी है ।''

❑ विद्यार्थियों से कथागीत का मुखर वाचन हाव-भाव, लय-ताल के साथ कराएँ, सही उच्चारण की ओर ध्यान दें । कविता के आशय पर आधारित नाट्यीकरण प्रस्तुत करने के लिए कहें ।

खोजबीन

खादी का कपड़ा कैसे बनाया जाता है, इसकी जानकारी प्राप्त करो और लिखो ।

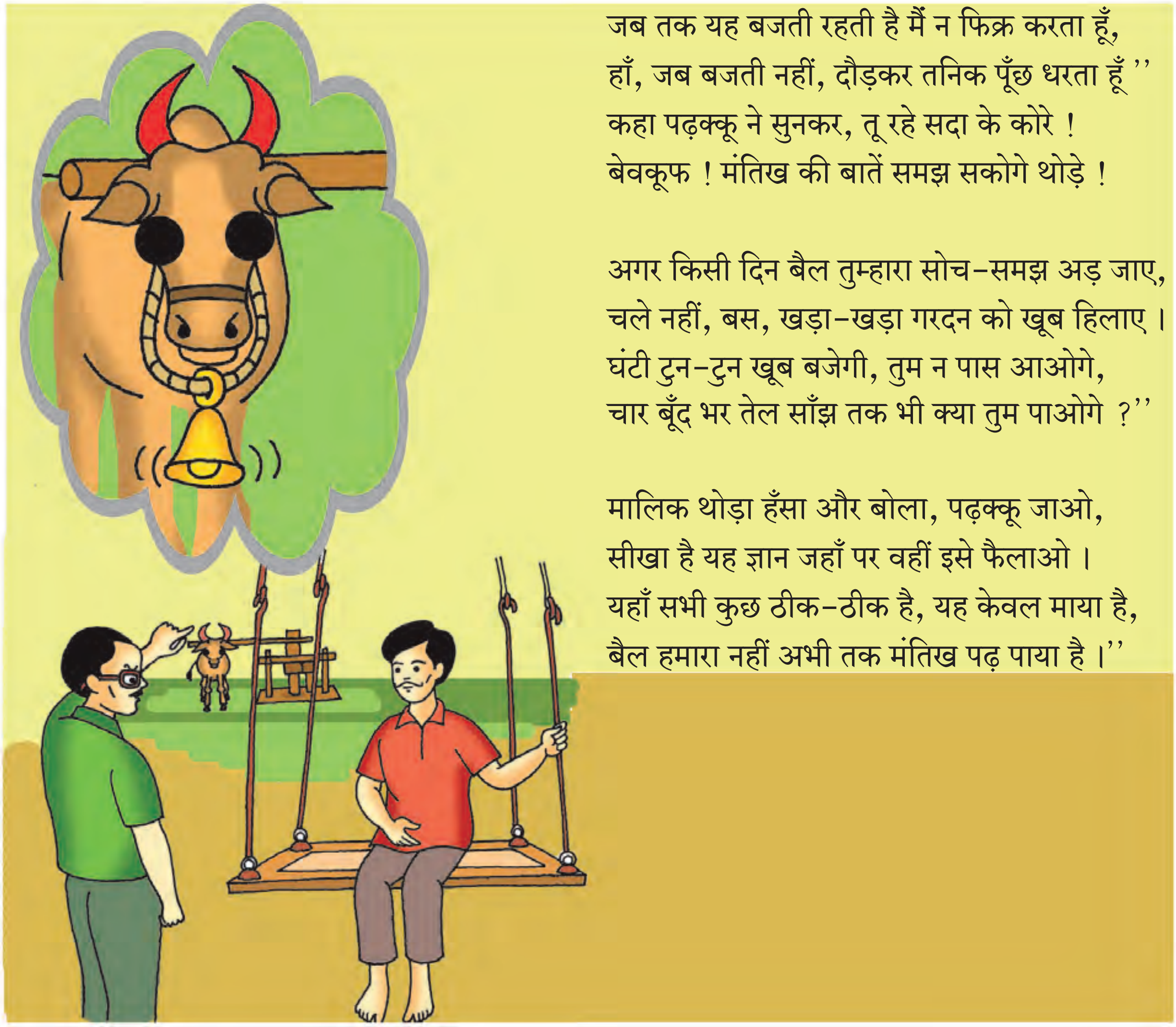

जब तक यह बजती रहती है मैं न फिक्र करता हूँ,
हाँ, जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ''
कहा पढ़क्कू ने सुनकर, तू रहे सदा के कोरे !
बेवकूफ ! मंतिख की बातें समझ सकोगे थोड़े !

अगर किसी दिन बैल तुम्हारा सोच-समझ अड़ जाए,
चले नहीं, बस, खड़ा-खड़ा गरदन को खूब हिलाए ।
घंटी टुन-टुन खूब बजेगी, तुम न पास आओगे,
चार बूँद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे ?''

मालिक थोड़ा हँसा और बोला, पढ़क्कू जाओ,
सीखा है यह ज्ञान जहाँ पर वहीं इसे फैलाओ ।
यहाँ सभी कुछ ठीक-ठीक है, यह केवल माया है,
बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है ।''

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

पढ़क्कू = पढ़ा लिखा
फिक्र = चिंता
कोल्हू = बीजों से तेल निकालने वाला लकड़ी का यंत्र
पागुर = जुगाली करना
मंतिख = समझदारी, बुद्धिमानी
साँझ = शाम, संध्या

स्वयं अध्ययन

'पंचतंत्र' की कोई कहानी पढ़कर सुनाओ ।

सदैव ध्यान में रखो

पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान की भी आवश्यकता होती है ।

सुनो तो जरा

खेल के मैदान पर दी जाने वाली सूचनाएँ सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने साथ घटित कोई हास्य घटना बताओ ।

वाचन जगत से

हिंदी डायरी के प्रारंभिक पृष्ठ जिनपर विविध प्रकार की जानकारी होती है, पढ़ो ।

मेरी कलम से

समाचार पत्र में रोज आने वाले चुटकुलों को लिखो और उनका संग्रह करो ।

*** कविता से प्राप्त सीख अपने शब्दों में लिखो ।**

जरा सोचो तो ..... बताओ

यदि तिलहन बीजों से तेल न निकलता तो .....

अध्ययन कौशल

पसंदीदा कहानी पर आधारित चित्रकथा तैयार करो ।

भाषा की ओर

निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कर रिक्त स्थान में लिखो ।

सरल वाक्य	संयुक्त वाक्य	मिश्र वाक्य
१. गरीब होने पर भी वह ईमानदार है ।	१. --------------- ---------------	
२. सागर के कहने पर मैंने भोजन कर लिया ।		२. --------------- ---------------
	३. वह रुपया चाहता था और वह उसे मिल गया ।	३. --------------- ---------------
४. --------------- ---------------	४. स्कूल बंद हो गया और लड़के घर जाने लगे ।	
	५.--------------- ---------------	५. ज्यों ही मैं घर पहुँचा, त्यों ही दरवाजा खुला ।
६. --------------- ---------------		६. जब मैं छोटा था तब साइकिल खूब चलाता था ।